वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वन महोत्सव

दिनांक: 05.07.2022

पर्यावरण संरक्षण हेतु घोषित केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी कार्यक्रम वन महोत्सव के अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी की अगुवाई में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में दिनांक 05.07.2022 को खूंटी जिला के कुटाम (सूर्यपूरागढ़) गांव में पौधरोपण एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे वन विभाग, झारखंड सरकार के मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान) श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी मुख्य अतिथि के अतिरिक्त लगभग 150-160 किसान, वनकर्मी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य उपस्थित हुए।

ग्रामीण महिला-पुरुषों द्वारा पारम्परिक स्वागत के बाद श्री करम सिंह मुंडा के संचालन में श्री रंजीत कुमार मांझी ग्राम सभा सचिव ने वन उत्पादकता संस्थान द्वारा कुटाम ग्राम के लिए किए जा रहे तकनीकी प्रशिक्षण के साथ जीविकोपार्जन के साधन जैसे कार्यक्रमों की सराहना की एवं इस कार्यक्रम में दीदी के सहयोग को सराहनीय बताया। श्री बंधन डोडराय ने संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गये केचुआ खाद इकाई को ग्रामीणों के लिए वरदान बताया एवं कहा कि लगभग सभी लाभांवित 9 किसान औसतन 4 क्विंटल केचुआ खाद प्राप्त कर चुके हैं तथा दूसरी इकाई लगाने की दिशा में अग्रसर है। निदेशक महोदय से शेष किसानों को सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया साथ ही साथ निकट भविष्य में पूर्णतया केचुआ खाद के द्वारा खेती करने का संकल्प लिया। श्री निकोदीन डोडराय ने कहा कि वन उत्पादकता संस्थान के कार्यक्रमों से प्रभावित होकर मिलिया डूबिया पेड़ लगाकर कृषि वानिकी हेतु जमीन दिया जिसमे मिलिया डूबिया एवं पपीता काफी अच्छे बढ़ रहे हैं।

डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-जी वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने कुटाम गांव के ग्रामीणों के क्रिया कलाप की सराहना की एवं हरित ग्राम के ओर बढ़ रहे ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी। मिलिया डूबिया जैसे हीं कुछ और नई प्रजाति के क्लोन इस गांव में लगाने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM) की चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि चीन से बांस उत्पादन में स्पर्धा हेतु सरकार कई योजनाएं चला रही है जिसे (NBM) के वेबसाइट पर देखा जा सकता है। पंजीकरण कराने पर बांस उत्पादन के लिए तीन साल 50%, 30% एवं 20% की दर से प्रति हेक्टेयर 50000/- रुपये सवसिडी का भी प्रावधान है। इसके लिए अनेक एजेंसियां कार्यशील है और आपकी मदद कर सकते है। जीवन सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने कुटाम ग्राम के ग्रामीणों को नशामुक्ति, स्वच्छता सामुदायिक संकल्प, हरित क्रांति की ओर बढ़ते कदम आदि गतिविधियों के लिए शुभकामना दी एवं इस कार्यक्रम को धरातल पर लाने में श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी, मुख्य वन संरक्षक के योगदान को अविस्मरणीय बताया। उन्होने जोर देकर कहा कि पौधा लगाना एक क्रिया हो सकता है लेकिन सुरक्षित रखकर उपयोग लायक बनाना एक संकल्प है। प्रदर्शन ग्राम के ग्रामीणों के सहयोग से किए गये प्रयासों को केंद्र सरकार ने भी सराहा है। केचुआ खाद के उत्पादन पर उन्होने कहा कि किसानों के उपयोग से बचे खाद को संस्थान खरीद लेगी ताकि लाभ किसानों को मिल सके। कुटाम ग्राम के किसान जो केचुआ खाद उत्पादन करना चाहते है, संस्थान उनको मदद का प्रयास करेगी। आज मीठी क्रांति का युग है। शहद उत्पादन कर मीठी क्रांति को गति दी जा सकती है। संस्थान इसके लिए भी मदद का प्रयास करेगी। वन महोत्सव की चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि ग्रामीणों के पौधरोपण कार्यक्रम को और अधिक सफल बनाने के लिए संस्थान मिलकर कार्य करने के लिए आज कुटाम की धरती पर हैं एवं अधिक से अधिक पौधे लगाकर गांव को हरित ग्राम बनाने में संस्थान का पूरा प्रयास रहेगा।

कुटाम ग्राम के हेमंती दीदी, सुसारी डोडराय, सलमदीना होरो आदि ने भी वन उत्पादकता संस्थान की सराहना की एवं दीनदयाल ग्राम स्वावलम्बन योजना के साथ संस्थान के सहयोग ग्रामीणों के आर्थिक उत्थान में उपयोगी बताया।

मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी ने अनेकों घटनाक्रम का जिक्र करते हुए ग्रामीणों को प्रेरित एवं उत्साहित करने के तरकीबों को विस्तार से बताया। वनरोपण, वानिकी की स्थिति, ग्रामीणों की भागीदारी, वन संरक्षण में योगदान आदि विषयों पर अपना अनुभव रखते हुए उन्होने आज के कार्यक्रम के लिए वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक की प्रशंसा की एवं बताया कि वन उत्पादकता संस्थान के कार्यों को देखकर लगता है कि आम आदमी के विकास के लिए संस्थान प्रयासरत है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने ग्रामीणों एवं उपस्थित अधिकारियों से पौधरोपण का आग्रह किया एवं इस अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान से उपलब्ध कराए गये 65 विभिन्न प्रजाति के पौधों का पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, श्री एस.एन.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार, सूचना तकनीकी प्रभाग के श्री निसार आलम एवं वृक्ष, प्रजनन एवं सम्वर्धन प्रभाग के श्री करम सिह मुण्डा का सराहनीय योगदान रहा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)